



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

23-9-25

1

5-8

The Tribune

Over 1.2L farmers attend farm fair, seed worth ₹2.49 cr sold

Farmers urged to move towards entrepreneurship along with farming

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, SEPTEMBER 22

A two-day agricultural fair for Rabi season concluded at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) here on Monday. The theme of this year's fair was 'Natural Resource Management'.

Around 300 stalls were set up by various departments of the university and private companies to showcase new agricultural technologies.

Certified seeds of improved Rabi crop varieties and agricultural literature were made available to the farmers. Seeds worth Rs 2.49 crore were sold and 1.23 lakh farmers participated in the fair. Facilities for soil and water testing were also provided to the farmers. On the concluding day, HAU Vice Chancellor Prof BR Kamboj was the chief guest, while LUVAS Vice Chancellor Prof Vinod Kumar Verma was the guest of honour.

Addressing a gathering, Prof Kamboj said agricultural fairs for Rabi and Kharif crops are organised every year to provide farmers access to



Farmers throng an agriculture fair at the HAU on Monday. TRIBUNE PHOTO

research innovations, latest technologies and high-quality seeds developed by scientists. He said to improve crop yields, farmers should use certified seeds, proper seed treatment, timely sowing, and apply fertilisers and pesticides as per recommendations.

He urged farmers to prioritise pulses and oilseeds over traditional crops to enhance their financial condition.

Along with this, adopting animal husbandry, horticulture and fisheries can significantly boost their income. Stressing on agri-entrepreneurship, the VC said farmers must move towards entrepreneurship along with farming. A special 'Question & Answer' session was organised in the fair where farmers got solutions to their problems and interacted with agricultur-

al scientists. Disease-free banana and sugarcane plants developed by tissue culture technique were also made available to the farmers.

Director of Extension Education, Dr Balwan Singh Mandal said the Rabi crop seeds, including wheat, barley, mustard, chickpea, fenugreek, lentil, berseem and oats, worth Rs 2.49 crore were sold in to the farmers.

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
राजकीय भवन का भवन	23-9-25	6	2-8

कृषि मेला • किसानों ने मिट्टी-पानी के 426 सैंपल करवाए टेस्ट, टिश्यू कल्चर से विकसित 27 हजार पौधे और 77 हजार का कृषि साहित्य बिका

एचएयू कृषि मेले में 2.49 करोड़ के बीजों की हुई बिक्री

भारत का इसान



एचएयू के कृषि मेले में लगाई स्टॉलों पर उत्तम फसल किस्मों, उपकरणों व तकनीक की जानकारी लेते हुए किसान।



एचएयू के कृषि मेले से बीज लेकर जाते किसान।

टैज़ानिकों और किसानों के बीच संवाद

संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में लगाई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान किसानों और बैज्ञानिकों के बीच हुए संवाद के अलावा कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। कृषि कालेज के अधिकारी डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाच प्रतावण पारित किया। भंच संचालन डॉ. भूषण ने किन्तु। स्टॉलों में सोने गुप्त में शक्तिवर्धक/समान यीड़िस प्रथम, आईएस्प्रैस यीड़िस द्वितीय तथा न्यूजीबीड़ी सोडिस टिमिंड तृतीय स्थान पर रहे। इसेक्साइडस व पेट्रीसाइडस मुप में क्रिस्टल क्रॉप साइंस प्रथम, बायर क्रॉप साइंस द्वितीय व कोरोमेंडल तृतीय स्थान पर रहे। फटिलाइजर मुप में हैबिटैट फहल, यारा दूसरे व कृषकों तीसरे स्थान पर रहे। मशीनरी व ट्रैकर मुप में बरवाला एवं सर्विस लाख 18 हजार रुपए की हुई।



प्रगतिशील किसान समूह को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज।

किसानों को खेती के साथ उद्यमिता की ओर अग्रसर होने की जरूरत: प्रो. काम्बोज

एचएयू कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसानों को अपनी फसलों की अच्छी बैदावर प्राप्त करने के लिए उत्तम किस्मों के बीज, बीज उत्पादक, समय पर बिजाई, सिफारिश के अनुसार उत्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग करना चाहिए। किसानों को अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के

लिए परम्परागत फसलों के स्थान पर दलहनी व तिलहनी फसलों को प्राथमिकता देनी चाहिए। पशुपालन, बागवानी तथा मत्त्य पालन को अपनाकर किसान अपनी आय में बढ़ावारी कर सकते हैं। किसानों को खेती के साथ-साथ उद्यमिता की ओर अग्रसर होने की जरूरत है।

लुवास पशुपालकों को उपलब्ध करावा रहा विस्तार सेवाएं: वी.आर.

लुवास कुलपति प्रो. विनोद वर्मा ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीक उपलब्ध करावा रहा है। शोध कार्यों के साथ-साथ उत्तम किस्मों के बीज उपलब्ध करवाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। इस दौरान उन्होंने लुवास के मार्गदर्शन से प्रदेश के पशुपालकों को उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं का विस्तार से उल्लेख किया। लुवास के द्वारा प्रदेश में 6 हरियाणा पशु विज्ञान केन्द्र, 10 पशु विज्ञान केन्द्र एवं 8 पशु रोग निवान केन्द्र चलाए जा रहे हैं जिनस प्रदेश में पशु पालन को बढ़ावा देने में प्रदेश के किसानों को मदद मिल रही है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम पञ्जाब सरी	दिनांक २३-९-२५	पृष्ठ संख्या	कॉलम
----------------------------------	-------------------	--------------	------

कृषि मेले में नवीनतम कृषि तकनीक व मशीनरी बारे किसानों ने ली जानकारी

गेले ने टिथ्यू कल्घर तकनीक द्वारा विकसित केले
एवं गब्बे की रोग रहित पौध किसानों को दी

ਹਕੂਮੀ ਮੇਂ 'ਪ੍ਰਾਕ੃ਤਿਕ ਸੰਸਾਧਨ ਪ੍ਰਬੰਧਨ' ਪਾਰ ਦੇ
ਟਿਵਸੀਅ ਕੁਝ ਮੇਲਾ ਸ਼ੱਖ ਪੰਜਾਬ

हिसार, 22 सितम्बर (राती): जैवरी चरण सिंह हरयाणा कुपि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (खी) का समापन सेमिवार के हुआ। इस चरण कृषि मेले का थीम 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' रहा। इस दिवसीय इस कृषि मेले का तावाना को हरयाणा के सुखनगरी अनुभव सिंह नीति ने स्वरूप भर्त किया था। विश्वविद्यालय के अनुसार इस दो दिवसीय मेले में करीब एक लाख 23 किसानों के पहुँचे और नवीनतम कृषि तकनीकों और कृषि यांत्रिक वारे जानकारी हासिल की। साथ फसलों को भी विनियोग के अलावा सब्जी की नई किसीं वारे विनियोग से जानकारी ली। खास बात हर रही कि महिलाओं ने भी इस मेले से खुशी विजयी और कुपी और पुष्पालता से संबंधित जीवनकारियां हासिल कीं। मेले में टिटटो-पानी की जांच की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई। साथ ही मेले में टिट्टु कृष्ण तकनीक द्वारा विकासित केले एवं गेहे की गोड़ रहित पौधे किसानों की उपलब्ध करवाई गईं। मेले के समापन अंतर्काल पर विश्वविद्यालय के कुलपति वी. आर. कालजील मुख्यमंत्री रहे जैवरी तुवारके के कुलपति और विनोद कुमार वर्मा विश्वविद्यालय अधिनियम के कानून में उपस्थित रहे।

मेले में लगाई गई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकरण ना विशेष केन्द्र रही। उत्तर किसान के बीच, नवीनतम तकनीक, कृषि उत्करण, समर्पित कृषि प्रयाणी तथा कृषि क्षेत्र में उत्थिति को बढ़ावा देना मेले के मुख्य आकरण रहे। मेले के अनिमित दिन बीज बिहारी नन्दी एवं टरसलों पर किसानों की धूप गढ़ाया गयी थी। प्रस्तावित और उत्तर किसानों और बैजिनिकों के बीच हुए संचालक अनावा विधि में उठायिता की बढ़ावा देने पर संचालक कोई गड़ी की गई। कृषि विविधालय के अधिकारी डॉ. एस. के. पाण्डुजा ने ध्यावाद प्रस्ताव दिया गया था। इस दौरान उक्त

A photograph showing a group of approximately 20-30 people gathered in an open area. They are dressed in a variety of casual clothing, including t-shirts, shorts, and dresses. Some individuals are wearing hats or headscarves. The setting appears to be a public space, possibly a market or a community gathering, with a long, low building visible in the background under a clear sky.

कुलपति प्रो. दी.आर. कावोज मेले में किसानों को रप्रदर्शन करने वाले स्टॉल संचालकों को सम्मानित किया गया। साथ ही प्रगतिशील किसान समूह को सम्मानित किया गया।

एस्ट्रेशनाट छात्रान्ह के स्टान एवं टाक्कनी व टिलानी

प्राचीनों को सम्मानित करने के लिए

धित करते हुए, प्रगतिशील किसान समूह को सम्मानित क
लुगास कुलपति प्रो. वर्मा ने पश्युपालकों को दी जा
यी अवधि में दी गई।

ते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व मेले का दृश्य।
 लगभग 1. लाख 23 हजार
 किसानों की उपस्थिति दर्ज की
 है। जो में आमना स्वामी फसलों
 की विविधता की गई है।

कृतियों का प्रावणकर्ता दृष्टिकोण: [प्रकाशन]

कुलपति पौरो, कामोदीजे ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसानों को अपनी आर्थिक स्थिति सुधूर करने के लिए परम्परागत फसलों से बदलकर उनके स्थान पर नवीनी व तिलहनी व कालीनों को प्रायोगिकता देनी चाहिए। इसके साथ-साथ पशुपालन, बाजारों की स्थापना तथा मत्यकरण को अपनाकर किसान अपनी आय में बढ़ातीरी कर सकते हैं। कृषि उत्थापनों पर जोड़ देते हुए उन्होंने कहा कि किसानों के खेतों के साथ-साथ उत्थापनों को और अग्रसर होने की जरूरत है। भारत में यही अर्थव्यवस्था को रोह है, वर्त्योंक यथा हांगों और भैंगन प्रबल करने के साथ साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को समर्पण करता है, नियति को बढ़ावा देता है और सामाजिक-अर्थव्यवस्था कामोदीजे ने योगदान देता है।

कि वैधीय चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीक उपलब्ध करवा रहा है, जो शेष कार्यों के साथ साथ उत्तर किसानों के बीच उपलब्ध करवाने में भी अहम योग्यिक नियम रहा है। इस दौरान डॉ.होने लुत्सव के माध्यम से प्रदेश के पूर्णांगों को उपलब्ध करवाए जा रही सेवाओं का विस्तार से लेख किया। लुत्सव के द्वारा प्रदेश में 6 हरियाणा पशु विज्ञान केन्द्र, 10 पशु विज्ञान केन्द्र एवं 8 पशु राय निवास केन्द्र बढ़ाए जाए रहे हैं जनसं प्रदेश में पशु पालन को बढ़ावा देने में प्रदेश के किसानों को दबद भिल रही है। इस दौरान लुत्सव के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. जेश खुराना विस्तार शिक्षा निदेशालय से डॉ.सराता, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. नितेश सिन्हा लुत्सव के अंतर्गत अधिकारी, विभिन्न प्राचीन विद्यालयों के अंतर्गत कर्मचारी भी अपनी विद्यालय तक

वाजन के लिए। किसानों में भारी उत्साह देखा गया। जहाँ किसानों ने गेहूँ, जीं, सरसों, चमों, मेथी, मसूर, बरसाम, तथा जई व उत्तर किसानों के लगभग 2 करोड़ 49 लाख रुपए के शेष खरोड़। मेले में 77 हजार 250 रुपए के क्रूपि साहित्य भी बिकी हुई। सबको चारावानी फसलों के बीचों की लाख 13 हजार 500 रुपए भी बिकी हुई। किसानों ने मेले के दौरान 3

कुलपति प्रो. काम्पायर ने बताया कि इस वर्ष के मेले का थीम 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' इसीलिए रखा गया था ताकि किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने बताया कि मेले में इस बार टिट्यू कल्चर टाईनीक द्वारा किसिंह कले एवं गोदानों की रोग रखित पौधे भी किसानों को उपलब्ध कराया गई।

1 लाख 23 हजार किसानों ने थी शिक्षक, 2 करोड़ 49 लाख रुपए के बिके बीज

मधु उडाते हुए मिट्टी तथा नींवों की 426 नमूनों की जांच रिवाइवल टिश्यु कल्पना की गयी। विक्रियाली पौधे की बिक्री 27 हजार व जैव उत्तरक के टीकों की



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पादक पत्र का नाम
दैनिक जागरण

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम
2-5

23-9-25

५

एचएयू मेले में 2.49 करोड़ के बिके बीज, दो दिन में एक लाख 23 हजार किसान पहुंचे

मेले में थी 300 स्टालें, पहले दिन की अपेक्षा दूसरे दिन रही ज्यादा भीड़, कलाकारों ने बांधा समां

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी
चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय

में दो दिवसीय
रबी कृषि मेले
का समापन हो
गया। इस वर्ष
आ. बलवान सिंह
मंडल • जागरण

कृषि मेले का
थीम प्राकृतिक
संसाधन प्रबंध रहा। दोनों दिन लगभग
एक लाख 23 हजार किसानों ने की
शिरकत, इस दौरान 2 करोड़ 49
लाख रुपये के बीज बिके। कृषि मेले
के दूसरे दिन, पहले दिन की अपेक्षा
अधिक भीड़ रही। मेले के दूसरे दिन
पंडाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम चलते
रहे। विभिन्न कलाकारों ने हरियाणवी
रागिनियों की प्रस्तुतियां दी। मेले में
घुम रहे किसानों ने रागिनियों का लुत्फ
उठाया। मेले में करीब 300 स्टालें
लगाई गई थीं।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा
निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल ने
बताया कि मेले में आगामी रबी
फसलों के बीजों के लिए किसानों में
भारी उत्साह देखा गया। किसानों ने
गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर,
बरसीम, जई व उन्नत किस्मों के
लगभग 2 करोड़ 49 लाख रुपए के
बीज खरीदे। मेले में 77 हजार 250
रुपये के कृषि साहित्य की बिक्री हुई।
सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों
की दो लाख 13 हजार 500 रुपये की
बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी
व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते
हुए मिट्टी तथा पानी के 426 नमूनों



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मेला ग्राउंड में आयोजित कृषि मेले में लगी भीड़ • जागरण

फल, सब्जियों के बीज व प्रोडक्ट खरीदे

मेले में आए किसानों ने सब्जियों के, फलदार पौधों के बीज खरीदे। प्रदर्शन प्रक्षेत्र पर लगी हुई उन्नत किस्मों के प्रदर्शन प्लाटों का भी भ्रमण किया। मेले में नवीनतम कृषि पद्धतियों को जानने के अलावा तकनीकी बुलेटिन भी किसानों के लिए मुख्य आकर्षण रहते हैं। साथ ही प्रश्नोत्तरी सत्र में किसानों ने अपनी खेती संबंधी समस्याओं के निदान मिलते हैं। उन्हें कृषि वैज्ञानिकों से मिलने का मौका भी मिलता है। इस वर्ष के मेले का थीम प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन इसीलिए रखा गया है ताकि किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जा सके। इस बार टिश्यू कल्चर तकनीक से विकसित केले एं गन्ने की रोग रहित पौध भी उपलब्ध करवाई गई।

की जांच करवाई। टिश्यू कल्चर तकनीक से विकसित पौध की बिक्री 27 हजार व जैव उर्वरक के टीके की बिक्री 1 लाख 18 हजार रुपये की हुई। मेले में किसानों को रबी फसलों की उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज व कृषि साहित्य भी उपलब्ध करवाएं।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टालों को किया गया सम्मानित

स्टालों में से सीड गुप में शवितवर्धक, समग्र सीडस प्रथम, आइएफएसए सीडस द्वितीय तथा न्यूजीवीट्रू सीडस लिमिटेड तृतीय स्थान पर रहे। इसेविटसाइडस व पेरस्टीसाइडस गुप में क्रिस्टल क्राप साइडस प्रथम, बायर क्राप साइडस द्वितीय व कोरोमंडल तृतीय स्थान पर रहे। फर्टिलाइजर गुप में हैबिटैट पहले, यारा दूसरे व कृभको तीसरे स्थान पर रहे। मशीनरी व ट्रैक्टर गुप में बरवाला एंट्रो सर्विस प्रथम, फील्ड मार्शल कंपनी द्वितीय व राठी ग्रीन हाउस तृतीय स्थान पर रहे।

साथ ही मिट्टी-पानी की जांच की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई। मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि रहे, जबकि लुवास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित

रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि किसानों को वैज्ञानिकों के किए गए शोध कार्यों, नवीनतम तकनीकों और उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने के लिए प्रत्येक वर्ष रबी और खरीफ फसलों के कृषि मेले आयोजित किए जाते हैं।

बीजों पर भरोसा और प्राकृतिक संसाधनों की बढ़ी सीख

प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ता कदम... एचएयू कृषि मेले में उमड़ा किसानों का सैलाब

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में दो दिवसीय रक्षी कृषि मेले 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' थीम पर सम्पन्न हुआ। मेले में 300 से अधिक स्टॉलों पर किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज, टिशूर कल्चर से तैयार रोगमुक्त पौधे, कृषि साहित्य व मिट्टी के बिंब बीज

2.49

करोड रुपये
रोगमुक्त पौधे, कृषि
साहित्य व मिट्टी-
पानी की जांच के बारे में बताया गया। इसके अलावा किसानों को मेले में कृषि के नई-नई मशीनों की जानकारी और मेले में ऐज्यूकेशन फसलों की किस्मों की जानकारी दी गई।

दो दिन में लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों ने की शिक्षित विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मेले में दोनों दिन लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। मेले में आगामी रवाना फसलों के बीजों के लिए किसानों में भागी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने गेहूँ, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसाम, तथा जई व उन्नत किस्मों के लगभग 2 करोड़ 49 लाख रुपये के बीज खरीद। मेले में 77 हजार 250 रुपये के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सभी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 13 हजार 500 रुपये की बिक्री हुई।

किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी और पानी के 426 नमूदों की जांच करवाई। टिशूर कल्चर तकनीक द्वारा विकसित पौध की बिक्री 27 हजार व जैव उर्वरक के टीक की बिक्री 1 लाख 18 हजार रुपये की हुई।



एचएयू में आयोजित कृषि मेले में कृषि के योंगों की जानकारी लेते किसान। संवाद

एचएयू और पूरा संस्थान के विकसित की मक्का की नई किस्म आईएमएच 225



किसान को जानकारी देती असिस्टेंट साइंटिस्ट किरण।

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और पूरा संस्थान ने गिलकर मक्का की दो नई हाइब्रिड किस्में आईएमएच 225 और 226 विकरित की हैं। इन किस्मों के 25 जनवरी से 15 फरवरी के बीच बोया जा सकता है। फसल पकने में लगभग 120 दिन का समय लगता है। ये किस्में एक एकड़ में 35 विवरण तक पैदावार देती हैं। किसानों के लिए अधिक उत्पादनकारी सामित्र होंगी। यह जानकारी एचएयू कर्नाल केंद्र की असिस्टेंट साइंटिस्ट किरण ने दी। यह फसल खासतौर पर उत्तर-पश्चिमी मैदानी थोंगों यानी उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और नई दिल्ली के लिए तैयार की गई है। इन हाइब्रिड्स की सबसे बड़ी खासियत है कि यह यिलो पार्टेल्स कीट, चारकोल रोट रोग, प्यूजूरियम स्टॉक रोट के प्रति मरणमुक्त रूप से प्रतिरोधी हैं, जबकि मेयेडिस लीफ ब्लाइट रोग के प्रति पूरी तरह प्रतिरोधी पाई गई हैं।

बाजारे की एचएचबी 299 किस्म : ज्यादा पैदावार और पौष्टिकता से भरपूर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने बाजारे की उन्नत किस्म एचएचबी 299 किसानों के लिए उपलब्ध कराई है।

यह किस्म उच्च उत्पादन और पौष्टिकता के कारण सबसे बड़ी पैदावार आपानी जा रही है। एक एकड़ में इसकी पैदावार 35 से 40 मन

तक होती है। इसकी खासियत यह है कि इसकी लंबाई केवल 5 से 6 पीट तक होती है, जिससे किसानों को फसल काटने में किसी तरह की परेशानी नहीं होती। एचएयू के वैज्ञानिक डॉ. हर्षदीप ने बताया कि एचएचबी 299 की सबसे बड़ी खासियत इसका पोषण स्तर है। इसमें 73 पीसीएम तक आयरन पाया जाता है, जो इसे सेहत के लिए जाते हैं। इस किस्म की बिजाई जुलाई के पहले पखवाड़े में की जाती है और यह 75 से 80 दिन में पककर तैयार हो जाती है।



बाजारे की किस्म एचएचबी 299

सभी तरह के बीजों की बिजाई कर सकता है ऑल इन वन सुपर सीडर



कृषि मेले में सुपर सीडर ऑल इन वन मरीन के बारे में किसान को जानकारी देते बंसी। संवाद

फौल्ड मार्शल कंपनी ने किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 813 सुपर सीडर ऑल इन वन मशीन पेश की है। यह आधुनिक तकनीक से लैस मशीन सभी प्रकार की फसलों की बिजाई करने में सक्षम है। मशीन का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह जोरों पर्टेनेस और लोड फ्री है। इसके रोटाबिटर को केवल दो मिनट में ब्लॉक कर लेना चाहिए। इसकी खासियत यह है कि इसकी लंबाई केवल 5 से 6 पीट तक होती है, जिससे किसानों को फसल काटने में किसी तरह की परेशानी नहीं होती। एचएयू के वैज्ञानिक डॉ. हर्षदीप ने बताया कि एचएचबी 299 की सबसे बड़ी खासियत इसका पोषण स्तर है। इसमें 73 पीसीएम तक आयरन पाया जाता है, जो इसे सेहत के लिए जाते हैं। इस किस्म की बिजाई जुलाई के पहले पखवाड़े में की जाती है और यह 75 से 80 दिन में पककर तैयार हो जाती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत सभाना	२३-९-२०१०	१०	१-५

किसानों को खेती के साथ-साथ उद्यमिता की ओर अग्रसर होने की जरूरत : प्रो. बी.आर. काम्बोज

मेले में लगभग 2 करोड़ 49 लाख रुपये के बीज बीके और 1 लाख 23 हजार किसानों ने की शिरकत

हिसार, 22 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (खी) का समापन हुआ। इस वर्ष कृषि मेले का थीम 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' रहा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए 300 स्टॉलें लगाई गई। मेले में किसानों को खी फसलों की उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज व कृषि साहित्य भी उपलब्ध करवाएं तथा साथ ही मिट्टी-पानी की जांच की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई। मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहे जबकि लुवास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध कार्यों, नवीनतम तकनीकों और उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने के लिए

प्रत्येक वर्ष खी और खीरीफ फसलों के कृषि मेले आयोजित किए जाते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हक्कि द्वारा इजाद की गई किस्मों की पैदावार ज्यादा व गुणवत्ता से भरपूर होने के कारण किसानों के बीच में

उनकी मांग ज्यादा रहती है। मेले में आए किसानों ने जहां सब्जियों के, फलदार पौधों के बीज खरीदे वहाँ प्रदर्शन प्रक्षेत्र पर लाई हुई उन्नत किस्मों के प्रदर्शन प्लाटों का भी भ्रमण किया। लुवास के द्वारा प्रदेश में 6 हरियाणा पशु विज्ञान केन्द्र, 10 पशु विज्ञान केन्द्र एवं 8 पशु रोग निदान केन्द्र चलाएं जा रहे हैं जिनसे प्रदेश में पशु पालन को बढ़ावा देने में प्रदेश के किसानों को मदद मिल रही है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी निदेशक डॉ. बलवान सिंह



प्रगतिशील किसान समूह को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

मंडल ने मेले में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मेले में दोनों दिन लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। मेले में आगामी खी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, तथा जई व उन्नत किस्मों के लगभग 2 करोड़ 49 लाख रुपए के बीज खरीदे। मेले में 77 हजार 250 रुपए के कृषि साहित्य की विक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 13

हजार 500 रुपए की विक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी तथा पानी के 426 नमूनों की जांच करवाई। इस्यू कल्चर तकनीक द्वारा विकसित पौध की विक्री 27 हजार व जैव उर्वरक के टीके की विक्री 1 लाख 18 हजार रुपये की हुई। संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में लगाई गई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही।

स्टॉलों में से सीड गुप में शक्तिवर्धक/समग्र सीडिस प्रथम, आईएफएसए सीडिस द्वितीय तथा न्यूजीवीटू सीडिस लिमिटेड तृतीय स्थान पर रहे। इन्सेक्टिसाइड्स व पेस्टीसाइड्स गुप में क्रिस्टल क्रॉप साइंस प्रथम, बायर क्रॉप साइंस द्वितीय व कोरेमंडल तृतीय स्थान पर रहे।

समाचार पत्र का नाम	दृष्टि - भूमि	दिनांक	२३-९-२५	पृष्ठ संख्या	१२	कॉलम	२-३
--------------------	---------------	--------	---------	--------------	----	------	-----

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मेले में कटीब अडाई करोड़ रुपये के बीज बिके

किसानों को खेती के साथ-साथ उद्यमिता की ओर अग्रसर होने की जरूरत: प्रो. काम्बोज

'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' पर आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला संपन्न

हरिगढ़ि न्यूज़ ► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सेमिवार को दो दिवसीय कृषि मेला (खेती) का समापन हुआ। इस वर्ष कृषि मेले का थीम 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' रहा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नई तकनीकों की जानकारी मेले में दिए गए। मेले 1 देने वाले लिए 300 हजार स्टॉल लगाई किसानों ने गई। मेले में किसानों को रखी की शिरकत फसलों की उन्नत किसों के प्रयोगित बीज व कृषि साहित्य भी उपलब्ध करवाएं तथा साथ ही मिट्टी-पानी की जांच की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई। मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।



हिसार। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज, साथ ही लुगास के कुलपति प्रो. विनोद वर्मा व अन्य। फोटो: हरिष्मि

किसानों के नवीनतम बीज उपलब्ध करवा रहा हार्दिक: प्रो. वर्मा

लुगास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद वर्मा ने बताया कि दृष्टि किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीक उपलब्ध करवा रहा है, शोध कार्यों के साथ-साथ उन्नत किसों को लोअर उपलब्ध करवाते हैं जो अब भूमिका निभा रहा है। इस कैरियर उल्लेख लुगास के माध्यम से प्रदेश के पछापालकों को उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं का विस्तार ने उल्लेख किया। इस मानक पर छक्किये के विस्तार विज्ञान विदेशी डॉ. ब्रजपाल सिंह मंडल, संयुक्त विदेशीक विस्तार की कृष्ण कुमार यादव, कृषि गताविद्यालय के अधिकारी तथा एकक पाठ्यानुसार उन्नत अव्याधिकारी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

जबकि लुगास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

426 नगूनों की जांच की

मेले में दोनों दिन लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों की उपस्थिति बर्ज की गई। जेलों में आगामी दस्ती परस्ती के बीजों के लिए किसानों ने भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने गोले, जी, तुरसी, चम, लेई, नस्तुन, बरसीन, तथा जाह व उन्नत किसों के लगभग 2 करोड़ 45 लाख लघये के बीज खरीदे। जेलों में 77 हजार 250 लघये के कृषि जाहिय की विक्री गुहाँ। जाहिय की विक्री व आगामी एकानी के बीजों की 2 लाख 13 हजार 500 लघये की विक्री हुई। किसानों ने जेलों में मिट्टी व पानी जाह सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी तथा वानी के 426 जगहों की जाह करवाई। दिश्य कलार तकनीक द्वारा विकासित पौधे की विक्री 27 हजार व जव उवरक के टॉक की विक्री 1 लाख 18 हजार रुपये की हुई।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों को किया गया सम्मान से इस प्रथम, आईफफसर लॉसिट-लॉसिट व पेस्टी-साइडस ग्रुप में क्रिस्टल ग्रोप साइस प्रथम, बायर लॉप साइस डिलीय व कोरोडेंडल तृतीय स्थान पर रहे। फॉटोलाइनर ग्रुप में ईविट परस्ती यारा दूसरे व कृषकों द्वारा उत्पादन पर रहे। ब्रूजीरी व ड्रेटर ग्रुप में दूसराना एवं तीसरे स्थान पर रहे। प्रगतिशील किसान समूह में नुगां कॉर्पोरेशन, एसएस औलिविक विक्रिग ट्रेटेरों में बागवानी विजाव, हरियाणा स्टरकार, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। इनी प्रथम हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विलास अवानाम (जीपीवी), स्वराज्य मार्ट-सज्जी विक्रीन तथा ईदिवा कवचवाली विक्रीन विहान मन्दिरविद्यालय का विजाव प्रधान, विजिय व तीसरे स्थान पर रहे। बिलास एकलवद्यूक्तस्य विजाव, विजाव, हरियाणा स्टरकार, पहले व दूसरे स्थान पर रहे। ग्राम-ओलिविक हरियाणी वर्सी पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे।

मारत में कृषि अर्थव्यवस्था की दीप: प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सर्वोच्च में कहा कि किसानों को अपनी करकों की अवैध पैदावार प्राप्त करने के लिए उन्नत किसानों के बीज, बीज उपचार, समय पर विजाई, सिक्योरिश के अनुसार उपरकों एवं कौटलाशक्तों का प्रयोग करवा चाहिए। कृषि उद्यमिता पर जार देने हुए उन्हें कहा कि किसानों को जीतों का साथ-साथ उद्योगों को अर अवसर हानि की जरूरत है। मारत में कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, तथोंकि यह हमें ऊंचान प्रकाश करने के साथ साथ गानीण अर्थव्यवस्था की सशक्ति करता है, जिसकी बदावा देता है। और जागरूक-आर्थिक विकास में योगदान देता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	22.9.2025	--	--

हकूमि में 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' पर दो दिवसीय कृषि मेला संपन्न

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (एवं) का समापन हुआ। इस चरण कृषि मेले का थीम 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' रहा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए 300 स्टालों लगाई गई। मेले में किसानों को रखी फसलों की उत्तम किस्मों के प्रमाणित बीज व कृषि साहित्य भी उपलब्ध करवाएं तथा साथ ही मिट्टी-पानी की जांच की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई। मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्योज मुख्यातिथि रहे जबकि लुवास के कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्योज ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध कार्यों, नवीनतम तकनीकों और उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने के लिए प्रत्येक वर्ष रखी और खरीफ फसलों के कृषि मेले आयोजित किए जाते हैं। किसानों को अपनी फसलों की अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए उत्तम किस्मों के बीज, बीज उपचार, समय पर विजाई, सिफारिश के अनुसार उत्कर्षों एवं कीटनाशकों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी आर्थिक स्थिति सुटूट करने के लिए परम्परागत फसलों के स्थान पर दलहनी व विलहनी फसलों के प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके साथ-साथ पशुपालन, बागवानी तथा यत्य पालन को अपनाकर किसान अपनी आय में बढ़ोतारी कर सकते हैं। कृषि उथमिता पर जो देते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को खेतों के साथ-साथ उद्यमिता की ओर अग्रसर होने की जरूरत है। भारत में कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, क्योंकि यह हमें खेती प्रदान करने के साथ साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करता है, निर्यात को बढ़ावा देता है और सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्योज ने बताया कि हकूमि द्वारा इजाद की गई किस्मों की पैदावार ज्यादा व गुणवत्ता से भरपूर होने के कारण किसानों के बीच में उनको मांग ज्यादा रहती है। मेले में आए किसानों ने जहां समियों के, फलदार पौधों के बीच खेरीदे वहाँ प्रदर्शन प्रक्षेत्र पर लगी हुई उत्तम किस्मों के प्रदर्शन प्राप्त किसानों का भी भ्रमण किया। मेले में नवीनतम कृषि पद्धतियों को जानने के अलावा उनके तकनीकी बुलेटिन भी किसानों के लिए मुख्य आकर्षण रहते हैं। उन्होंने बताया कि मेले में इस बार टिश्यू कल्नर तकनीक द्वारा विकसित केले एवं गवे की रोग रहित पौधे भी किसानों को उपलब्ध करवाई गई। लुवास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद वर्मा ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीक उपलब्ध करवा रहा है, शोध कार्यों के साथ-साथ उत्तम किस्मों के बीज उपलब्ध करवाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। इस दौरान किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान किसानों और वैज्ञानिकों के बीच हुए संवाद के अलावा कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा की गई। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच संचालन डॉ. भूषेन्द्र ने किया।



जा रही सेवाओं का विस्तार से उद्देश किया। लुवास के द्वारा प्रदेश में 6 हरियाणा पशु विज्ञान केन्द्र, 10 पशु विज्ञान केन्द्र एवं 8 पशु रोग निदान केन्द्र चलाए जा रहे हैं जिनसे प्रदेश में पशु पालन की बढ़ावा देने में प्रदेश के किसानों को मदद मिल रही है।

दोनों दिन लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों ने की शिरकत, 2

करोड़ 49 लाख रुपए के बिके बीज

विश्वविद्यालय के विस्तार शिरा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मेले में दोनों दिन लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। मेले में आगमी रखी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने गेहूं, जी, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, तथा जई व उत्तम किस्मों के लगभग 2 करोड़ 49 लाख रुपए के बीज खरीदे। मेले में 77 हजार 250 रुपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सभी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 13 हजार 500 रुपए की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए विश्वविद्यालय की अकार्यण को विशेष केन्द्र रही। टिश्यू कल्नर तकनीक द्वारा विकसित पौधे की बिक्री 27 हजार व जैव उत्कर्ष के टीके की बिक्री 1 लाख 18 हजार रुपये की हुई। संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में लगाई गई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही। उत्तम किस्म के बीज, नवीनतम तकनीक, कृषि उपकरण, समेकित कृषि प्रणाली तथा कृषि क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ावा देना मेले के मुख्य आकर्षण रहे। मेले के अन्तिम दिन बीज बिक्री केन्द्रों एवं स्टालों पर किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान किसानों और वैज्ञानिकों के बीच हुए संवाद के अलावा कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा की गई। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच संचालन डॉ. भूषेन्द्र ने किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	23.9.2025	--	--

हकूमि में 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' पर दो दिवसीय कृषि
मेला संपन्न, लगभग 1 लाख 23 हजार किसानों ने की शिरकत

किसानों को खेती के साथ-साथ उद्यमिता की ओर अग्रसर होने की ज़रूरत : प्रो. बी. आर. काम्बोज

-पाठकपश्च न्यज-

हिस्तर, 23 सितम्बर: चौथी चरण सिंह हरियाली कृषि विधानसभा में दो दिन साथी कृषि भेला (बी) का समापन हुआ। इस द्वय कृषि भेले को यीम 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' रो। विधानसभा के अन्तर्गत विधायिका एवं विधायिका शंकृत कार्यपालों द्वारा एक दूसरे तक संबंधी को जानकारी देने के लिए 300 सदानुसार लालांग हुई। भेल में किसानों को खेत फसलों की उन्नत किसिसों के प्रयोगित बीज व कृषि सहित भी उपलब्ध कराया गया। तथा साथ ही मिट्टी-पानी को जाच को सुखिया भी उपलब्ध कराया गया। भेलों के समान अवसर पर विधानसभा रुक्ष जैकल लक्ष्मण के कृपयात्र से बी.आर.आर. कांवड़ीज मुख्यमंत्रीशीर्ष से जैकल लक्ष्मण के कृपयात्र से बी.आर.आर. कांवड़ीज कमार वर्ष विशेष अधिकता के रूप में उपस्थित हुए।

कुलपती प्रो. कामेन्ज ने अपने मस्तकमें कहा कि किसानों को बैद्यनिकों द्वारा किए गए सोश कार्यों नवीनतम तकनीकों और उच्च गुणवत्ता के वीज उपकरणों के लिए प्राप्त व्यवस्थे यही अब खोए फसलों के क्षुध मेंले आवेदित किए जाएं हैं। किसानों के अपनी फसलों की अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए उत्तम किसी को स्थान पर उत्पादन पर बिजाड़ि, समरिशक के अनुभव उत्तरों एवं बैद्यनाशकों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों के अपनी आर्थिक स्थिति सुधूर करने के लिए परम्परागत फसलों के स्थान पर दृष्टिनी व तिलानी फसलों को प्रायोगिकता देनी चाहिए। इसके साथ-साथ प्रयोगलन, वायवनी तथा वायवीय पालन को अप्रतिक्रिया करना चाहिए अयं वायवीय कर त्रैतीय। क्यूंकि उत्पादन पर जारी दृष्टि उन्होंने कहा कि किसानों का खेतों के साथ-साथ उद्यमिता की ओर अप्रसंह होने की जरूरत



है। भारत में क्या अंतर्वस्था की रोटि है, वर्तोंके नहीं खोजन प्रदान करने के साथ साथ प्रार्थना अंतर्वस्था को सक्र करता है, नियत को बढ़वाना देता है और सामाजिक आर्थिक विकास में योगदान देता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डी.आर. कामोज ने बताया कि हड्डी द्वारा इन्हाँ को यह किसानों की पैदावार ज्याद बुरापता से भय पूर्ण होने के कारण किसानों की बीच में उत्तरी मांग ज्यादा रहती है। यह मौल भी आए किसानों ने जहाँ सम्बन्धियों के, फलवादी पैदीयों के बीच खुराहे वहाँ प्रश्रृतन प्रवेश पर लम्ही हुई उत्तर किसानों के प्रदर्शन स्थानों का भी ध्रुवन किया। यहाँ मैं नवीनीकरण की प्रशंसनीय परिवर्तनों के अलावा उनके तकनीकी बुलेटिन भी किसानों के लिए मुख्य आकर्षण रहते हैं। साथ ही प्रशंसनीय सत्र में किसानों ने अपनी खेती संस्थाएँ समाजवादीओं के निदान मिलते हैं वह उठक कृप्त वैज्ञानिकों से मिलते का योग्य भी मिलता है। इस वर्ष के मौल का था 'प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन' एवं इस गया है ताकि किसानों को इनके प्रयोग की जागरूक किया जाए। उनके बताया कि मौल में इस बाबा दियुष कल्याण तकनीकों द्वारा किसीसे केले

पर्यं ग्रन्थे की योग रहते पौधे भी किसानों को उपलब्ध करवाई गई। लुवास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनो जव्हार ने बताया कि औद्योगिक सिंह हावीयाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों को कृषि की नवीनताओं तक पहुँच करवाए रहा है। यह कार्यों के साथ साथ उत्तम कार्यों की ओर उपलब्ध करवायेंगे भी अहम भूमिका निभा रहा है। इस दौरान उनके लुवास के माध्यम से प्रदेश के पशुपालकों के उल्लङ्घन करवाई जा रही सेवाओं का विसर्पण उठेंगे किंतु लुवास के द्वारा प्रदेश में 6 हारियाणा पशु विज्ञान केन्द्र, 10 पशु विज्ञान केन्द्र एवं 8 पशु विनायन केन्द्र, चलाएंगे जा रहे हैं किसें प्रदेश के पशु विनायन के बढ़ावा देने में प्रदेश के किसानों के मद्दत प्रिय रही है।

संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेरे में लाखों गड्ढ कृषि-ओर्जनिएशन प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विकास केन्द्र रही जाएगा, जिसमें नवीनतम तकनीक, उत्तम कृषि कैफ्य, सामैक्षिक कृषि प्रणाली तथा कानून सेवा व अधिकारी को बढ़ावा देना मेरे के मध्य काम करने वाले हैं।

मेंते के अन्तिम दिन बीज जिक्र की गयी एवं स्वरूपों पर किसानों की भारी गहना-गम्भीरी रही। प्रान्तीतों से बड़ा दौरान किसानों और वैज्ञानिकों के बीच शुद्ध संबंध देख अस्तवा कृपाएं में उत्पन्न हो वहाँ देने पर विस्तृत चर्चा की गई। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता इ.एस.पी.एस.पी. प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विभाग द्वारा एक प्राप्ति प्राप्ति देने वाले स्टॉलों के संचालन ढां पूर्ण रूप से किया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों के किया गया सम्पादनि

स्टॉलों में से सीढ़ी गुप्त में शक्तिवर्धक/समान योग्य उत्पाद, आइफल्प्रॉप्रॉ. सोहैस द्वितीय तथा न्यू-जीलैंडी. सोहैस लिमिटेड तृतीय स्थान पर रहे। इन्होंने स्टॉल डास व पर्सीटाइल्स ग्रूप पर किस्टल कांपनी प्रमाण प्रधान, बायर एवं मास्टर फिल्म व ब्रिटिश व रूटीय स्थान पर रहे। फर्टिलाइजन ग्रूप में हिन्दूप्रेस पहले, यारा दूसरे व कृषकों तोंसे स्थान पर रहे। मसीनीय व ट्रेक्टर ग्रूप में बरकरार यांग सर्विस प्रधान पर्फेक्ट माराकेश कम्पनी द्वितीय व गारी शीर हाउस तृतीय स्थान पर रहे। प्रायिकीतीक विसान समूह द्वितीय स्थान पर रहे। अंग्रेजी व वैज्ञानिक किसान समूह द्वितीय स्थान के बीच, एस.पी.एस.प्रौद्योगिकी तथा न्यूजीलैंड एवं गोणेंद्र मण्डल कूप्लस पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे।

2 क्लोर 40 लक्ष रुपा के लिए री

2 करोड़ 49 लाख रुपए के बिल्डिंग शिक्षा निदेशक डॉ. वल्लभ चंद्र मंडल के मेले में सभी का स्वागत करते हुए उन्होंना काला किला के मेले में दोनों दिन लापामा 1 लापामा 2 छह जानवर किसानों के बीच के लिए किसानों में पारी उत्तम देखा गया जहाँ किसानों ने मैरे, जी, सरसों, चाना, मसौरी, मसूरी, बरसीन, तथा जड़ व उत्तर किसानों के लापामा 2 करोड़ 49 लाख रुपए के बीज खरीदे। मैंने मैं 77 जानवर 250 रुपए के कृषि उत्पाद की बिक्री हुई। मसौरी व चाना गायों की फसलों के बीच की 2 लापामा 13 छह जानवर 500 रुपए की बिक्री हुई। किसानों ने मैले में मिट्टी व पानी जांच सभी का लाप उत्तम हुए मिट्टिटी तथा पानी के 426 मसौरी की जांच करवाई। इटियू कलर तकनीक द्वारा विक्रियात्मक पैथ की बिक्री 27 हजार व जैव उत्तर के टीके तकी बिक्री 10 हजार व जैव उत्तर के टीके

विविधकारी १ लाख १८ हजार रुपये का हुआ।
 तीसरे स्थान पर रहे। इसी प्रकार हरियाणा कमी परिवहनविवादलय के तिलहन अनुभाग (जोड़ीपुर),
 बांधरगढ़, माटों, सज्जी विभाग तथा हींदोरा बकरवारी
 मासूमपुर के विजान मालिकालय को क्रमांक प्रदान
 किया गया। व तीसरे पस्कर मिले: हरियाणा सकरार व
 निटेगोरा में बावावानी विभाग, हरियाणा सकरार व
 नुवाहास/एमएसजे/मालती विभाग, हरियाणा सकरार,
 फलेल व दूसरे स्थान पर रहे। विविध गुण वेक्स्टर
 हेल्पर केर, फिलोजोडिक फार्म व हिन्दुस्तान
 एम/ऑर्गेनिक हरियाणा नमस्ती पहले, दूसरे व तीसरे
 स्थान पर रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	22.9.2025	--	--

कृषि मेले में लगभग 2 करोड़ 49 लाख रुपए के बिके बीज, 1 लाख 23 हजार किसानों ने की शिरकत

पिटी पास न्यूज़, हिसाता चौकी
चाग मिंह हिराकांग कुरी
विश्वविद्यालय में दो दिसंबर काम
मेन्ह (खो) का समाप्त हुआ। इस
खांड की मेल का थोंग प्राकृतिक
समाप्त प्रवर्धन हो।
विश्वविद्यालय के बिंगन विभाग
एवं एनीज बैंक की कार्रवाई हुआ रह
तहमें कोई जागरूकी नहीं थी। लिए-
300 रुपये लाभ खो।

में भी मेरे दिन स्वामी 1
लख 23 हजार किसानों की
उपर्युक्त दर्द की पाई। मेरे में
आगामी खाली पासलों के बीचों के
लिए किसानों में भी पारी दूसरा दूसरा
पारी जाहाजिकाले ने देख जैसे सामान
नहाने मेंयो, मरा बासीम, तथा जड़
व उन्नत चिकित्सक के लागत 2 कोडा
49 लाख रुपए के बीच खरीद। मेरे
में 77 लाख 250 मरास के कुछ

साइंट और विद्यों हुए। सभी व
वास्तवीकरण के बीचों की 2
लाख 13 हजार 500 रुपए की
विद्यों हुई। किसानों ने मेरे में निष्ठा
व प्राप्त जावे सेवा का लाभ 32 लाख
हुए निष्ठा तथा पारी के 42.6 मरानों
की जाच करवाई। इस्यु कल्पना
तकनीक द्वारा विकसित पौधे की
विद्यों 27 हजार 4 जैव अश्रुक के
ट्रैकों की विद्यों 1 लाख 18 हजार

स्वायं की हुई।
मेरे के माध्यम अवसरा प
विश्वविद्यालय के कल्पनात् प्रो.
यो आ. कामोद मुख्यमंत्री ये
जयप्रकाश सक्तप्रतीक विनाय
कुप्रमाण विद्यु और उपकरण के सभी म
उद्दीपकों द्वारा सहायता प्रो. कामोद
ने कहा कि किसानों को वैज्ञानिक
इट्रो किए गए प्रायः कामोद नियमित
तकनीकों की उपलब्धता के बीच



सौने चापले तो सत्तरी को इकली पे है यह ताको।



देश व प्राकृतिक कर्त्तव्य

आलक्षण्य कारणों के लिए प्राप्तकर्ता
तो और दूसरे प्राप्तकर्ता के कामी में
अपर्याप्ति निकल जाते हैं।

लगास विश्वविद्यालय के
कार्यालय प्रौद्योगिकी अन्वेषण में विद्यार्थी कि-
नीहीं वाचन सिंगल इंजीनियर तथा
विश्वविद्यालय विद्युतीय कार्यों की
नियन्त्रण तथा नोनेक उत्पादन कारबा गए
हैं। शाही वाचनों के साथ-साथ उन्नत
कियमें बीजै उत्पादन कारबन में
भी अलग विभिन्नता निकल जाती है। इस
टीचार उत्पादन तुलना के माध्यम से
प्रदाता के उत्पादनों को उत्तम
कारबन वा उत्तम सेवाओं का विनियोग से
उत्पादन किया। लगास के द्वारा उत्पादन
में 6 हार्डवेयर तथा विनियोग करके 10
प्रौद्योगिकी उत्पादन करने के लिये नियन्त्रण
केंद्र चलाया जाता है जिससे प्रोत्तों में
सुख उत्पन्न हो जाता है तो मैं प्रदाता के
विनियोग को प्रशंसनीय ठिक है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों को किया सम्मानित

स्वार्थीने ये से सोहा गुण में
विजयकारक/समाज साझेदार प्रथम,
अहंकारसंतुली भीड़ द्वितीय तथा
यूज़वेली बीमास लिमिटेड हातीय
स्थान पर रहे। इन्हींने साइडल व
पेरेटेसिलिंग गुण में किट्टन और
साइंस प्रथम, बायर और पार्सन साइंस
द्वितीय व कोर्सेमेंटल तृतीय स्थान
पर रहे। पर्टिंटिकल गुण में
हेलिक्ट फले, यांग द्वारा व
बूझके तीसरा स्थान पर रहे।
मरीनी वे ट्रेकर गुण में बायकल
एंड स्पैस प्रथम, फॉलॉप मार्केट
कम्पनी द्वितीय व तीसी ब्रीन हायर्स
तृतीय स्थान पर रहे। प्रायोरिटेट
किसान साझे में सुधार कर्तव्य,
एसएस और निकल प्रशंसनी तथा न
अधिकारिक/प्रोफेशनल प्रशंसन कर्तव्य